

राधा कमल मुकर्जी : चिन्तन परम्परा

वर्ष 1 अंक 2

जुलाई-दिसम्बर 1999

1. प्राचीन और नवीन जनवृतांत - प्रोफेसर ए.आर.एन. श्रीवास्तव, विभागाध्यक्ष मानव विज्ञान व समाजशास्त्र, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद (उ.प्र.)
2. स्वतंत्रता की स्वर्ण जयन्ती तथा भारत में सामाजिक आर्थिक विकास : मूल्यांकन एवं सुझाव - डॉ. डी.पी. सक्सेना, पूर्व विभागाध्यक्ष समाजशास्त्र, गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर (उ.प्र.)
3. सोनभद्र के दक्षिणांचल में 'पनिका' जनजाति की सामाजिक आर्थिक दशायें - प्रोफेसर ए.एल. श्रीवास्तव, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष समाजशास्त्र विभाग, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी (उ.प्र.) एवं डॉ. देवशीष गुप्ता, रिसर्च एसोसिएट, समाजशास्त्र विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ (उ.प्र.)
4. भारत के भौगोलिक-आर्थिक परिप्रेक्ष्य में प्रारम्भिक व्यापारिक गतिविधियां - डॉ. राकेश कुमार, अध्यक्ष इतिहास विभाग, जी.एस.एच. पी.जी. कालेज, चान्दपुर, बिजनौर (उ.प्र.)
5. गंगा का धर्मशास्त्र और गंगा प्रदूषण : समाज वैज्ञानिकों के लिए एक चुनौती - डॉ. श्याम लाल 'निर्मोही', रीडर एवं विभागाध्यक्ष, समाजशास्त्र विभाग, भारतीय महाविद्यालय, फर्रुखाबाद (उ.प्र.)
6. ऊँची एवं पिछड़ी जातियों के जातीय पूर्वाग्रह का तुलनात्मक अध्ययन - डॉ. रमेश लाल श्रीवास्तव, वरिष्ठ प्रवक्ता, मनोविज्ञान डी.सी.एस.के. पी.जी. कालेज, मऊनाथ भंजन (उ.प्र.)
7. संवेदन-मंदक मादक पदार्थ एवं आसक्त व्यक्ति - डॉ. बी. उपाध्याय, अध्यक्ष समाजशास्त्र विभाग, राजकीय महाविद्यालय बाजपुर, ऊधम सिंह नगर (उत्तर प्रदेश)।
8. वैष्णव मत गढ़वाल के परिप्रेक्ष्य में (छठी सदी से बारहवीं सदी ई. तक) - डॉ. मंजुला जुगरान, उपाचार्या, इतिहास विभाग हे.न.ब. गढ़वाल विश्वविद्यालय, पौड़ी परिसर, (उत्तराखण्ड)
9. कन्या भ्रूण-हत्या कारण व निदान - डॉ. बी. नाज़, अध्यक्ष संस्कृत विभाग, राजकीय महाविद्यालय ऊधम सिंह नगर (उ.प्र.)
10. रमैया सिक्खों का नामकरण : ऐतिहासिक सामाजिक परिप्रेक्ष्य - डॉ. संतोष सिंह, सहायक प्राध्यापक, आर.जी.एन.पी. इन्टर कालेज, राजा का ताजपुर, बिजनौर (उ.प्र.)
11. प्रदूषित सामाजिक पर्यावरण और महिला उत्पीड़न - श्रीमती अखिलेश, शोध छात्रा, जी.एस.एच. पी.जी. कालेज, चान्दपुर, बिजनौर (उ.प्र.)
12. सांस्कृतिक प्रतीक एक मानवशास्त्रीय वैयक्तिक अध्ययन - सुधा बैजन्ती, शोध छात्रा मानव विज्ञान विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद (उ.प्र.)
13. बालिका श्रमिकों की पोषाहारीय एवं चिकित्सीय स्थिति - डॉ. ऋतु दीक्षित, भू.पू. शोध छात्रा समाजशास्त्र विभाग, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी (उ.प्र.)
14. भारत में लिंगानुपात कारण तथा निवारण - डॉ. प्रीति सिंह, भू.पू. शोध छात्रा समाजशास्त्र विभाग, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी (उ.प्र.)